पत्र सूचना शाखा,
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश
————————

राज्यपाल के समक्ष जिलाधिकारी, वाराणसी द्वारा आंगनवाड़ी केन्द्रों का वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रस्तुतीकरण

————————

पोषण अभियान का लाभ सभी लाभार्थियों तक पहुंचे– राज्यपाल

————————

लखनऊ : 28 सितम्बर, 2020

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल, श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने कहा कि केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा चलाये जा रहे पोषण अभियान का लाभ सभी लाभार्थियों तक हर हालत में पहुंचे, यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए। इसके साथ ही आंगनबाड़ी केन्द्रों पर कार्यरत कार्यकत्रियों के रिक्त पदों पर पूरी पारदर्शिता के साथ स्थानीय स्तर पर मेरिट के आधार पर नियुक्ति करें, जिससे न्यायालय को दखल करने का मौका न मिले और नियुक्ति बाधित न होने पाये।

राज्यपाल ने आज यहां राजभवन से जिलाधिकारी, वाराणसी द्वारा वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से आंगनवाड़ी केन्द्रों को सुचारू रूप से चलाने एवं कुपोषित बच्चों को सुपोषित करने आदि के संबंध में दिए जा रहे प्रस्तुतीकरण के दौरान ये बातें कहीं। उन्होंने कहा कि जिलाधिकारी द्वारा सबका सहयोग लेकर जो कार्य किया जा रहा है, उसका प्रस्तुतीकरण सराहनीय है, लेकिन इसका प्रतिफल आप लोगों को एक साल बाद दिखायी देगा। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों की नियुक्ति की प्रक्रिया उनकी सेवानिवृत्ति के 6 माह पहले से शुरू की जानी चाहिए, ताकि केन्द्रों पर रिक्तता की स्थिति उत्पन्न न होने पाये।

श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने कहा कि जिलाधिकारी यह सुनिश्चित करें कि जननी सुरक्षा एवं मातृबन्दन योजना के तहत जो पैसा सगर्भा माताओं के लिए पोषण आहार हेतु दिए जाते हैं, उसका उपयोग सगर्भा माताएं केवल पोषण आहार लेने में ही करें। उन्होंने कहा कि आशा वर्कर्स एवं आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के सहयोग से यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि सगर्भा ग्रामीण महिलाओं की डिलवरी सौ प्रतिशत सरकारी अस्पतालों में ही हो न कि दाई के माध्यम से घर में। उन्होंने कहा कि इनके माध्यम से ऐसी माताओं को बच्चों के जन्म देने के पहले से

ही जागरूक किया जाए और उन्हें गर्भ संस्कार की अच्छी–अच्छी बातें बतायी जानी चाहिए।

राज्यपाल ने जिलाधिकारी को सुझाव दिया कि वे अपने जनपद में इस आशय की बड़ी–बड़ी होर्डिंग महत्वपूर्ण स्थानों पर लगावायें कि 'हम काशी को टी0बी0 मुक्त, कुपोषित मुक्त एवं स्वच्छ काशी बनायेंगे, इसमें सभी सहयोग करें।' ऐसी होर्डिंग को देखकर बहुत से लोग, स्वयंसेवी संस्थायें, व्यापारी आदि स्वेच्छा से सहयोग के लिए प्रेरित होंगे। उन्होंने जिलाधिकारी से यह भी कहा कि लॉकडाउन के दौरान जिन–जिन लोगों ने अथवा एन0जी0ओ0, स्वैच्छिक संस्थाओं और व्यापारियों ने जनता को सहयोग कर उल्लेखनीय कार्य किए हैं, उनकी सूची तैयार करें ताकि उन्हें उनके निःस्वार्थ सहयोग के लिए सम्मानित किया जा सके। उन्होंने कहा कि अगले माह वाराणसी भ्रमण के दौरान वे स्वयं ऐसे कोरोना वारियर्स को सम्मानित करेंगी।

इस अवसर पर ऑनलाइन जुड़े प्रदेश के पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ0 नीलकंठ तिवारी ने राज्यपाल को आश्वस्त किया कि उनके द्वारा दिए गये निर्देशों एवं सुझाव का अक्षरशः पालन सुनिश्चित किया जायेगा।

इससे पहले वाराणसी के जिलाधिकारी श्री कौशल राज शर्मा ने आंगनबाड़ी केन्द्रों में संचालित गतिविधियों का ऑनलाइन प्रस्तुतीकरण राज्यपाल के समझ प्रस्तुत किया। इस मौके पर राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव, श्री महेश कुमार गुप्ता भी उपस्थित थे।

————————

ओ0पी0राय / राजभवन (35 / 16)

खुद को खोजने का
सबसे अच्छा तरीका है,
खुद को दूसरों की
सेवा में खो दो।